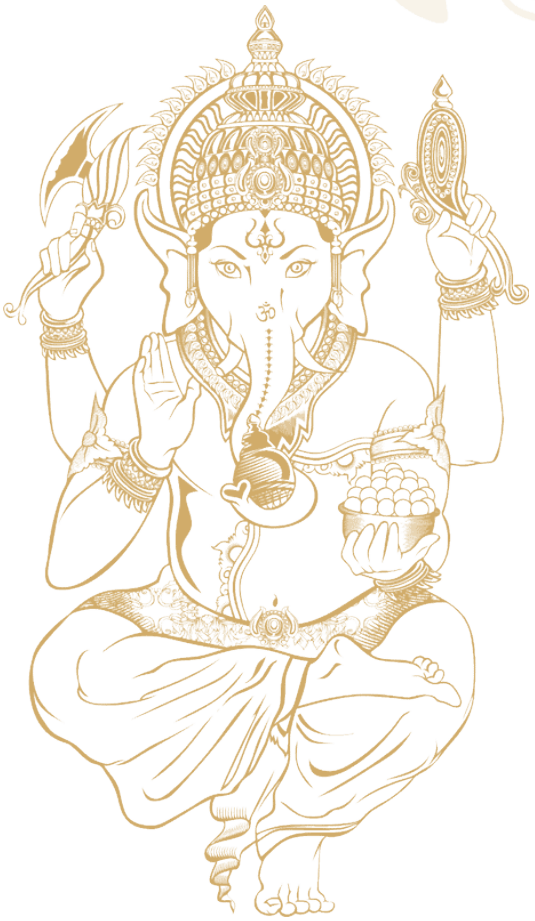

R

03 Jan 1958

10:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120979604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/01/1958**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	38:08:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:20 घंटे
साम्पातिक काल	05:00:06 घंटे
सूर्योदय	07:14:36 घंटे
सूर्यास्त	17:36:22 घंटे
दिनमान	10:21:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:33:29 धनु
लग्न के अंश	23:33:01 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:33:01	316:47:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	19:33:29	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	22:23:12	13:21:38	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	14:48:25	00:41:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध	व		धनु	02:10:28	00:15:40	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	05:38:59	00:07:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	22:38:10	00:10:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	26:28:16	00:06:43	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	15:15:22	00:06:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	15:15:22	00:06:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कर्क	17:26:15	00:02:13	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
नेप			तुला	11:12:30	00:01:05	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		सिंह	08:49:43	00:00:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	22:56:23	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:16:25

लग्न-चलित

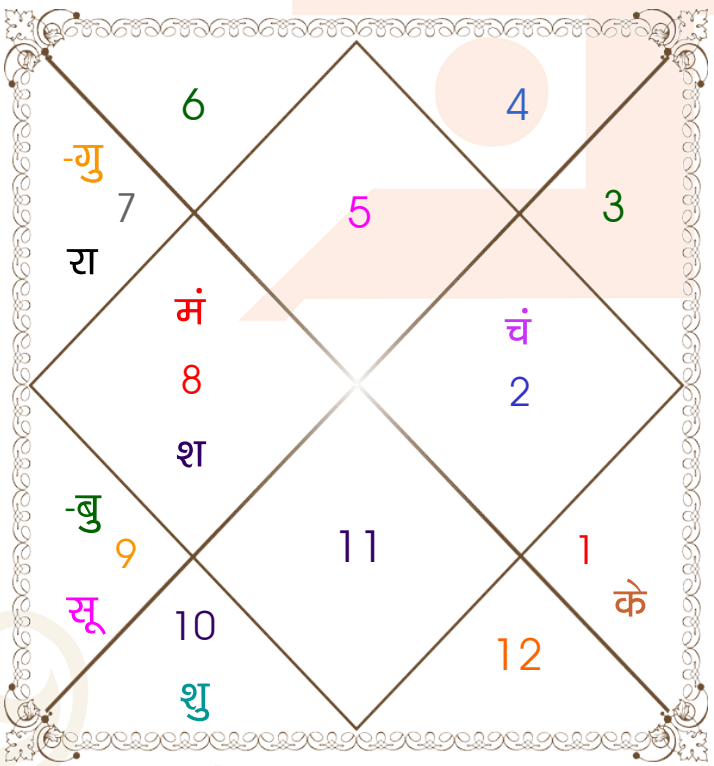

चन्द्र कुंडली

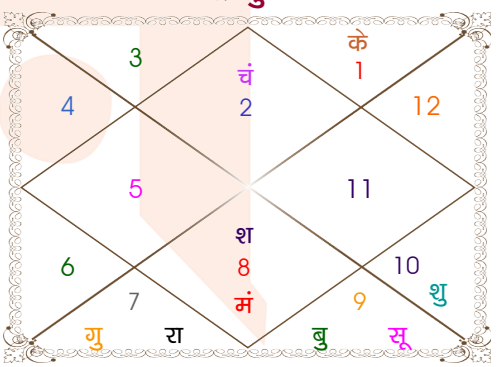

नवमांश कुंडली

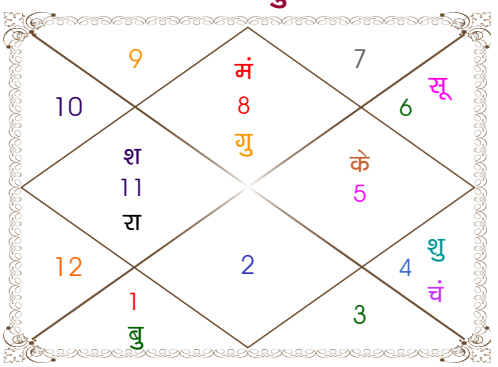

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 8 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/01/1958		20/09/1958		20/09/1965		20/09/1983		20/09/1999	
20/09/1958		20/09/1965		20/09/1983		20/09/1999		20/09/2018	
	00/00/0000	मंगल	16/02/1959	राहु	02/06/1968	गुरु	07/11/1985	शनि	23/09/2002
	00/00/0000	राहु	05/03/1960	गुरु	26/10/1970	शनि	21/05/1988	बुध	02/06/2005
	00/00/0000	गुरु	09/02/1961	शनि	01/09/1973	बुध	26/08/1990	केतु	12/07/2006
	00/00/0000	शनि	21/03/1962	बुध	21/03/1976	केतु	02/08/1991	शुक्र	10/09/2009
	00/00/0000	बुध	18/03/1963	केतु	08/04/1977	शुक्र	02/04/1994	सूर्य	23/08/2010
	00/00/0000	केतु	14/08/1963	शुक्र	08/04/1980	सूर्य	20/01/1995	चंद्र	24/03/2012
	03/01/1958	शुक्र	14/10/1964	सूर्य	03/03/1981	चंद्र	21/05/1996	मंगल	02/05/2013
शुक्र	21/03/1958	सूर्य	18/02/1965	चंद्र	01/09/1982	मंगल	26/04/1997	राहु	08/03/2016
सूर्य	20/09/1958	चंद्र	20/09/1965	मंगल	20/09/1983	राहु	20/09/1999	गुरु	20/09/2018

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/09/2018		20/09/2035		20/09/2042		20/09/2062		19/09/2068	
20/09/2035		20/09/2042		20/09/2062		19/09/2068		00/00/0000	
बुध	15/02/2021	केतु	16/02/2036	शुक्र	19/01/2046	सूर्य	07/01/2063	चंद्र	21/07/2069
केतु	13/02/2022	शुक्र	17/04/2037	सूर्य	20/01/2047	चंद्र	09/07/2063	मंगल	19/02/2070
शुक्र	13/12/2024	सूर्य	23/08/2037	चंद्र	19/09/2048	मंगल	14/11/2063	राहु	21/08/2071
सूर्य	20/10/2025	चंद्र	24/03/2038	मंगल	19/11/2049	राहु	08/10/2064	गुरु	20/12/2072
चंद्र	21/03/2027	मंगल	20/08/2038	राहु	19/11/2052	गुरु	27/07/2065	शनि	21/07/2074
मंगल	18/03/2028	राहु	08/09/2039	गुरु	21/07/2055	शनि	09/07/2066	बुध	20/12/2075
राहु	05/10/2030	गुरु	14/08/2040	शनि	20/09/2058	बुध	15/05/2067	केतु	20/07/2076
गुरु	10/01/2033	शनि	23/09/2041	बुध	21/07/2061	केतु	20/09/2067	शुक्र	03/01/2078
शनि	20/09/2035	बुध	20/09/2042	केतु	20/09/2062	शुक्र	19/09/2068		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 8 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।